G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

INTERNATIONAL YEAR OF
MILLETS
2023

आईटीबीपी हिमवीर पत्रिका

जून- 2023

मानुनीय केंद्रीय गृह मंत्री का किबिथू आगमन पर सादर अभिनंदन
श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री हिमवीरों का हौसला बढ़ाने के लिए अरूणाचल प्रदेश में किबिथू पधारे। समस्त बल परिवार की ओर से माननीय गृह मंत्री का हार्दिक अभिनंदन।

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री द्वारा किबिथू में 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम का शुभारंभ

श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री 10 अप्रैल, 2023 को अपने अरुणाचल प्रदेश दौरे के दौरान भारत-चीन सीमा पर स्थित भारत के पहले सीमावर्ती गांव किबिथू में पधारे। यहाँ पर आयोजित एक समारोह के दौरान माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री द्वारा भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री चाओना मैन, स्थानीय माननीय सांसद, माननीय विधायक, श्री अजय कुमार भल्ला, गृह सचिव, श्री अनीश दयाल सिंह, महानिदेशक, आईटीबीपी, मुख्य सचिव, अरुणाचल प्रदेश, पुलिस महानिदेशक (अरुणाचल प्रदेश), गृह मंत्रालय एवं स्थानीय प्रशासन के आला अधिकारी, सेना के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और आईटीबीपी के अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने इस मौके पर कहा कि अरुणाचल प्रदेश वह धरती है जिस पर सूर्य की पहली किरण का स्पर्श होता है, और यह प्रदेश भारत माता के मुकुट को सुशोभित करता है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने सीमावर्ती गांवों के प्रति जनता के दृष्टिकोण को बदला है और अब सीमावर्ती क्षेत्र के गाँव आखिरी नहीं, बल्कि भारत के पहले गाँव के रूप में जाने जाते हैं। भारत सरकार सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

माननीय गृह मंत्री ने कहा कि कुछ सालों पहले सीमावर्ती इलाकों से लोगों का पलायन सरकार के लिए चुनौती हुआ करता था, लेकिन वर्तमान सरकार ने विकास को सीमावर्ती गांवों तक पहुंचाया है, जिसका परिणाम यह है कि अब इन गांवों से लोगों का पलायन लगभग बंद हो गया है। उन्होंने बताया कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के माध्यम से सरकार का लक्ष्य है कि विकास सीमावर्ती गांव के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे, सीमावर्ती गांवों को भौतिक व डिजिटल माध्यमों से देश के साथ जोड़ा जाएगा तथा इन गांवों में सभी बुनियादी सुविधाएं यथा सड़क मार्ग, पेयजल, सौर व पवन ऊर्जा, बिजली, कृषि विकास केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र आदि प्रदान करते हुए पलायन कर चुके लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था की जा रही है।

इस मौके पर माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों की महिला एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा हस्त-शिल्प कला की प्रदर्शनी को भी देखा और उनकी सराहना की।

सीमावर्ती जिलों की महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री द्वारा आईटीबीपी के विभिन्न भवनों का उद्घाटनः

आईटीबीपी की विभिन्न तैनातियों- एटीएस (लोहितपुर), 56वीं वाहिनी, विशाखापत्तनम, छठी वाहिनी, छपरा, क्षे.मु. (लिखाबली) एवं 27वीं वाहिनी, नूरनाड में नवनिर्मित 114 आवासीय व 11 गैर आवासीय भवनों का उद्घाटन किया गया

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की विभिन्न फॉर्मेशनों में नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन किया

किबिथू, अरुणाचल प्रदेश में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के मंच से श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री द्वारा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की देशभर में फैली विभिन्न फॉर्मेशनों/इकाइयों में नवनिर्मित 114 आवासीय और 11 गैर-आवासीय भवनों का वर्चुअल उद्घाटन किया, जिसमें आईटीबीपी के एटीएस, लोहितपुर (अरुणाचल प्रदेश), 56वीं वाहिनी (विशाखापत्तनम), छठी वाहिनी, छपरा (बिहार), क्षेत्रीय मुख्यालय (लेखावली) के नवनिर्मित भवन भी शामिल हैं। माननीय केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए भवनों का प्रयोग आईटीबीपी के जवानों और उनके परिवारों द्वारा किया जाएगा, जिससे बल में 'आवास संतुष्टि दर' में वृद्धि होगी।

किबिथू में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का शुभारंभ करते माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री

हिमवीरों द्वारा सादर आभार-

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल परिवार के सभी सदस्यों की ओर से बल की अग्रिम सीमा चौकी 'किबिथू' आकर बल के जवानों के साथ संवाद करने और यहां एक रात रूक कर जवानों का हौसला बढ़ाने हेतु माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का हृदय से धन्यवाद।

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री का भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की किबिथू चौकी में आगमन

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री 25वीं वाहिनी, आईटीबीपी की अग्रिम सीमा चौकी किबिथू, अरुणाचल प्रदेश में बल के जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए पधारे। चौकी पर महानिदेशक, आईटीबीपी ने माननीय मंत्री महोदय का स्वागत किया। इस अवसर पर जवानों द्वारा 'फेस ऑफ ड्रिल' और सीमा पर गश्त से संबंधित विषय पर एक प्रदर्शन भी दिखाया गया। सेनानी, 25वीं वाहिनी द्वारा माननीय केंद्रीय गृह मंत्री को सीमा सुरक्षा के विषय पर और महानिरीक्षक, उत्तर-पूर्वी फ्रंटियर द्वारा सीमा प्रबंधन पर विस्तृत ब्रीफिंग भी दी गई।

इस अवसर पर एक विशेष सैनिक सभा के माध्यम से माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री ने जवानों से संवाद किया। अपने स्वागत संबोधन में महानिदेशक, आईटीबीपी ने माननीय गृह मंत्री को बल की उपलब्धियों, योजनाओं, जवानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इसके बाद माननीय केंद्रीय गृह मंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए हिमवीरों के शौर्य, साहस और समर्पित भावना से देश सेवा के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार जवानों के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। माननीय गृह मंत्री ने जवानों से सैनिक सभा के माध्यम से सीधे संवाद किया और बल के जवानों से कल्याण, सीमा पर संचार व्यवस्था, सरकार की भावी योजनाओं आदि पर चर्चा की। सैनिक सभा के बाद माननीय गृह मंत्री ने जवानों के साथ बड़ा खाना कार्यक्रम में भाग लिया और भोजन के दौरान जवानों से उन्होंने कई विषयों पर चर्चा की।

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम और सैनिक सभा का सीधा प्रसारण उपग्रह आधारित पोल-नेट सेवा के फ्लाई अवे टर्मिनल के माध्यम से सुनिश्चित किया गया, जिससे इन दोनों कार्यक्रमों को देश-दुनिया में सीधे देखा गया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की सीमावर्ती चौकियों और छत्तीसगढ़ की चौकियों पर तथा समस्त वाहिनियों, प्रशिक्षण केन्द्रों और फार्मेशनों आदि में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया।

सैनिक सभा और बड़ा खाना कार्यक्रम के दौरान अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्रीय गृह सचिव समेत केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीमा पर ड्यूटी कर रहे जवानों की कठिनाइयों को समझने के लिए माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने किबिथू शिविर में ही रात्रि विश्राम किया। यह इतिहास में प्रथम अवसर था, जब देश के माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अरुणाचल प्रदेश की किसी सीमा चौकी पर रात्रि विश्राम के लिए रुके। 11 अप्रैल, 2023 को प्रातः माननीय केंद्रीय गृह मंत्री जी ने किबिथू चौकी पर वृक्षारोपण कर सभी को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय जन-प्रतिनिधियों से मुलाकात की और विदा लेते समय आईटीबीपी के जवानों को उपहार स्वरूप मिष्ठान भेंट की। माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री जी के किबिथू आगमन पर जवान बहुत उत्साहित हुए और उनका यह भ्रमण सदैव बल परिवार को प्रोत्साहित करता रहेगा।

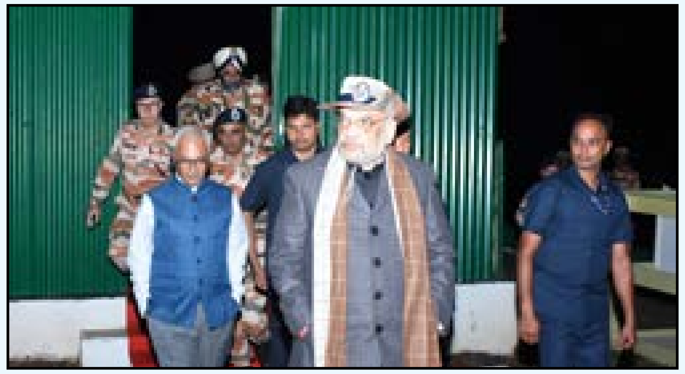

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा वृक्षारोपण...

श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने अपने कर कमलों से आईटीबीपी की अग्रिम सीमा चौकी किबिथू, अरूणाचल प्रदेश में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का आह्वान किया।

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री हिमवीरों के साथ बड़ा खाने में सम्मिलित हुए:

माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह किबिथू में हिमवीरों के साथ रात्रि में बड़ा खाने में सम्मिलित हुए और उनसे संवाद कर जवानों मनोबल बढ़ाया।

अविस्मरणीय क्षण...

माननीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी की अग्रिम सीमा चौकी 'किबिथू' में आकर बल के जवानों के साथ संवाद करना और यहां एक रात उनके साथ रुकना सभी जवानों को सदैव प्रोत्साहित करता रहेगा।

वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के अंतर्गत विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण

माननीय प्रधानमंत्री के ‘ड्रीम प्रोजेक्ट’ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत भारत-चीन पर स्थित 662 गांवों को वाइब्रेंट विलेज के तौर पर चिहित किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत भारत सरकार का लक्ष्य है कि इन गांवों में सभी बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, यातायात, सड़क, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा, दूरसंचार आदि प्रदान करवाई जाएं, जिसके क्रम में केंद्रीय सरकार के सभी मंत्रियों द्वारा समय-समय पर इन गांवों में जाकर लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी जा रही हैं। चूंकि आईटीबीपी की तैनाती देश की सीमाओं पर है और इन गांवों के नजदीक है, इसलिए आईटीबीपी इन दौरों को सुगम बना रही है और गांव वासियों की आवश्यकताओं के बारे में सही जानकारी भी मुहैया करवा रही है। साथ ही, आईटीबीपी को इन गांवों में वेटनरी कैंप व चिकित्सा शिविर आयोजित कर गांव वासियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने और अभिभावक के तौर पर कार्य करने की जिम्मेवारी भी सौंपी गई है। इन सभी के चलते केंद्र व राज्य सरकारों के माननीय मंत्रियों व गणमान्य व्यक्तियों द्वारा इन गांवों के भ्रमण के दौरान आईटीबीपी की विभिन्न वाहिनियों और सीमा चौकियों आदि का भ्रमण भी किया गया और वहां पर हिमवीरों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया तथा उनके द्वारा की जा रही देश सेवा के लिए जवानों की सराहना की गई।

बल प्रमुख का भ्रमण – हिमवीरों से संवाद

श्री अनीश दयाल सिंह, महानिदेशक, आईटीबीपी द्वारा बल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समय-समय पर बल की इकाइयों/वाहिनियों का भ्रमण किया गया, जहां पर बल प्रमुख द्वारा सैनिक सभा के माध्यम से और औपचारिक व अनौपचारिक तौर पर बल के जवानों से मुलाकात व संवाद कर उनकी कुशल क्षेम जानी, उनकी समस्याएं सुनी और उनके विचार जाने। साथ ही बल प्रमुख द्वारा जवानों को आईटीबीपी द्वारा प्रदान करवाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और उनकी समस्याओं के सहानुभूतिपूर्वक निपटान के लिए आश्वस्त भी किया गया। इस क्रम में, महानिदेशक, आईटीबीपी द्वारा एस.एस.वाहिनी, क्षे.मु. (ल.व.क.), दूरसंचार वाहिनी व एस.टी.एस. शिवपुरी, सपोर्ट वाहिनी, आर.टी.सी. और एस.डब्ल्यू.टी.एस., करेरा, आईटीबीपी अकादमी, उत्तरी फ्रंटियर मुख्यालय, क्षे.मु. (देहरादून) व 23वीं वाहिनी, देहरादून आदि का भ्रमण किया गया।

बीटीसी, भानू (हरियाणा)

दूर संचार वाहिनी, शिवपुरी (मध्य प्रदेश)

आरटीसी, करेरा (मध्य प्रदेश)

एसएस वाहिनी, सबोली

iGOT कर्मशालाः आईटीबीपी अव्वल

उल्लेखनीय है कि iGOT मिशन कर्मयोगी एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसे सभी सरकारी कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल इंडिया स्टैक के एक अभिन्न अंग के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह उपयोगकर्ताओं को कभी-भी, कहीं-भी, किसी-भी उपकरण पर सीखने का अवसर मुहैया करवाता है।

2 मई, 2023 को आयोजित एक समारोह के दौरान डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री कार्मिक, लोक शिकायत व पेंशन द्वारा सभी मंत्रालय/विभागों में ऑनलाइन प्रशिक्षण के क्षेत्र में 5 श्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता कार्यालयों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आईटीबीपी द्वारा इस प्लेटफॉर्म का सबसे अच्छा उपयोग करते हुए इसके 18757 कार्मियों ने खुद को इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत किया और विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को पूरा करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर यह पुरस्कार अर्जित किया, जिसे बल प्रमुख द्वारा ग्रहण किया गया। इस प्लेटफॉर्म ने आईटीबीपी के विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्मिकों का एक 'टैलेंट पूल' बनाने में भी मदद की है।

हिमाचल प्रदेश दिवस पर बधाई

15 अप्रैल, 2023 को आयोजित हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह के दौरान काजा, लाहौल स्पीति में कला व संस्कृति, खेल, सामाजिक क्रिया-कलाप और नागरिक सेवा के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए माननीय मुख्य मंत्री, हिमाचल प्रदेश द्वारा 17वीं वाहिनी के सेनानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आईटीबीपी द्वारा हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी को सम्मानित किया।

बल के शहीद कार्मिकों का स्मरण...

महानिदेशक, आईटीबीपी द्वारा बल के शहीदों को उनके शहीदी दिवस पर याद करने और उनके परिवारों को सम्मानित करने के साथ-साथ उनकी परेशानी व समस्याएं जानने की दिशा में अहम पहल की गई है। इस कड़ी में बल की फॉर्मेशनों व इकाइयों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले शहीदों की शहादत को स्मरण, शहीद के शहीदी दिवस पर संबंधित के गांव एवं उनके प्रारंभिक स्कूलों में स्थापित मेमोरियलों पर जा कर उनके परिवार के सदस्यों व आश्रितों की उपस्थिति में श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है और उनके परिजनों से परेशानी आदि जान कर उनके त्वरित समाधान के लिए समस्याएं संबंधित मुख्यालयों को भिजवाई जा रही हैं। साथ ही बल के सोशल मीडिया हैंडल्स (फेसबुक, ट्विटर, व इंस्टाग्राम) के माध्यम से भी श्रद्धांजलि प्रदान की जा रही है, ताकि देश की जनता हमारे शहीदों की शहादत के बारे में जान सके। बल मुख्यालय का यह प्रयास अपने शहीदों का सम्मान देने की दिशा में अनुकरणीय है, इससे शहीदों के परिवार स्वयं को आईटीबीपी परिवार से जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं।

19वीं वाहिनी, सराहन (हिमाचल प्रदेश)

28वीं वाहिनी, रेवाड़ी (हरियाणा)

32वीं वाहिनी, कानपुर (उत्तरप्रदेश)

42वीं वाहिनी, जोधपुर (राजस्थान)

27वीं वाहिनी, नूरनाड (केरला)

प्रथम वाहिनी, जोशीमठ (उत्तराखण्ड)

तृतीय वाहिनी, बरेली (उत्तरप्रदेश)

द्वितीय वाहिनी, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)

सीटीसी, अलवर (राजस्थान)

28वीं वाहिनी, रेवाड़ी (हरियाणा)

एमडीएस, अल्मोडा (उत्तराखण्ड)

33वीं वाहिनी, गुवाहाटी (असम)

सीटीसी, अलवर (राजस्थान)

सीटीसी, अलवर (राजस्थान)

प्रथम वहनी, जोशीमठ (उत्तराखण्ड)

26वीं वाहिनी, लुधियाना (पंजाब)

छठीं वाहिनी, छपरा (बिहार)

वामपंथ उग्रवाद अभियान...

आईटीबीपी की 9 वाहिनियाँ वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ के वामपंथ उग्रवाद प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और वामपंथ चरमपंथी उग्रवादियों के खिलाफ डटकर लोहा ले रही हैं। आईटीबीपी की इन वाहिनियों द्वारा इस दौरान अनेकों सफल ऑपरेशन चलाए गए हैं, जिनमें कई आईईडी को जब्त कर उनको निष्प्रयोजित किया गया है। संदिग्ध स्थानों से गोला-बारूद बरामद किया गया और वामपंथियों पर दबाव बनाया गया।

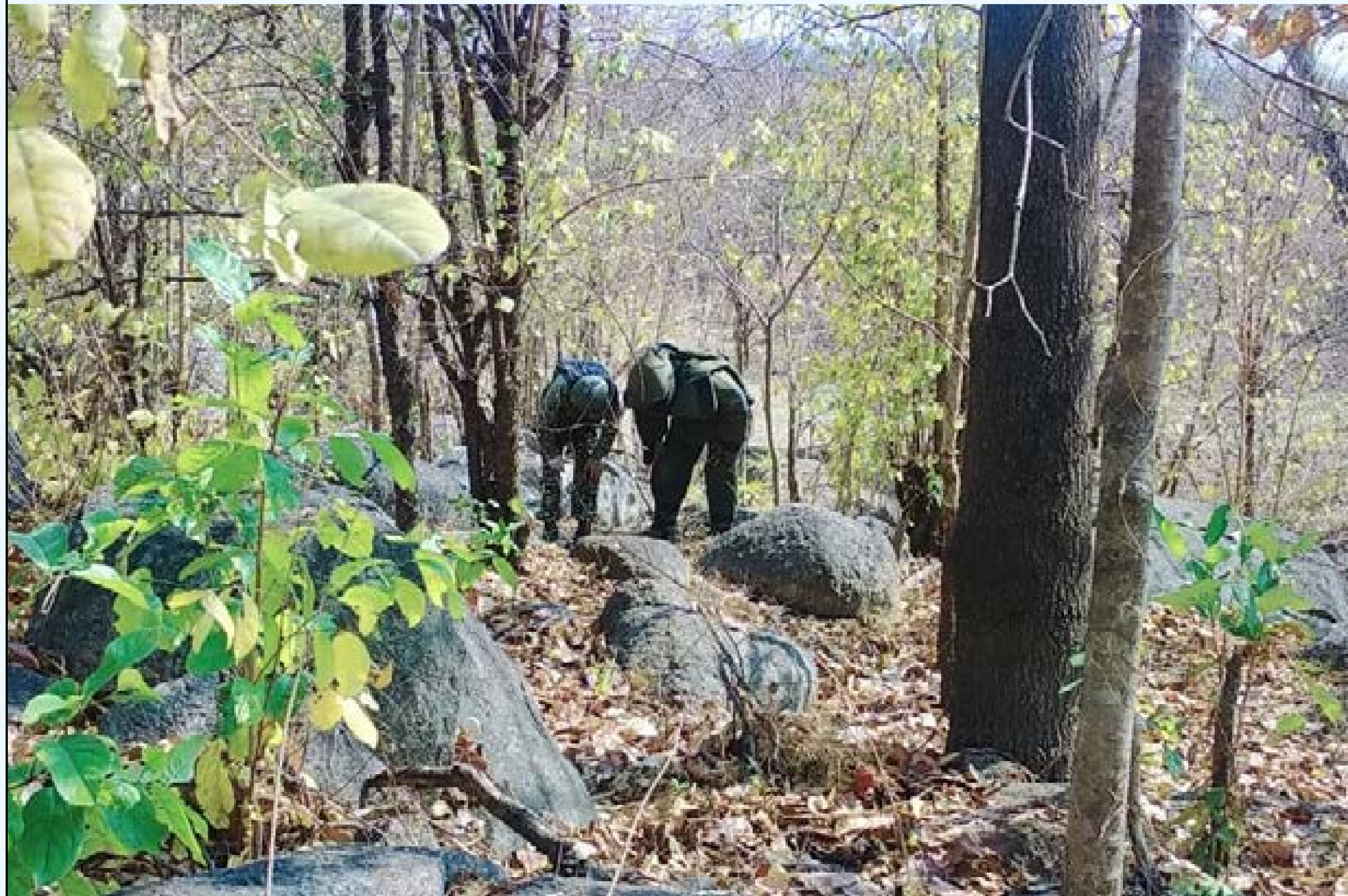

शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अनूठा प्रयास...

आईटीबीपी द्वारा अपने अमर शहीदों को याद कर उनको सम्मान प्रदान करने के लिए बल मुख्यालय द्वारा प्रत्येक शहीद के शहीदी दिवस पर अखबार के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। बल मुख्यालय की इस अनूठी पहल के अंतर्गत इंडियन एक्सप्रेस न्यूज पेपर में आईटीबीपी के शहीदों को श्रंद्धाजलि देने के लिए 'SALUTE THE SOLDIER' नाम से विज्ञापन प्रकाशित करवाया जा रहा है, ताकि देशवासी बल के अमर शहीदों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान के बारे में जान सकें। श्रद्धांजलि के प्रकाशन से शहीदों के परिवार भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं/करेंगे। साथ ही बल की फॉर्मेशनों/इकाइयों के प्रतिनिधियों द्वारा शहीदों के गृह नगर में जाकर उनके स्मारक, स्कूल आदि में उनको श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है और शहीदों के परिवारों/आश्रितों से मुलाकात कर उनकी कुशल-क्षेम पूछी जा रही है, ताकि किसी परिवार की कोई परेशानी हो तो उसका तत्काल हल निकाला जा सके और शहीद परिवार स्वयं को आईटीबीपी से जुड़ा हुआ महसूस कर सके।

INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
SI/GD Surender Singh
April 24, 2001
ITBP fondly remembers its brave heart SI/GD Surender Singh of 9 SPT of the 2nd Battalion who laid down his life in an IED Blast on this day at Dandipura, Anantnag (J&K) in 2001. We salute the valor and supreme sacrifice by the Himveer.
Resident of: VPO-Sumerpur, Distt-Pauri, Rudra Prayag, Garhwal (UKD).

INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
Constable/Dvr Kamrudin
April 24, 2001
ITBP fondly remembers its brave heart Constable/Dvr Kamrudin of 8th Battalion who laid down his life in an IED Blast on this day at Dandipura, Anantnag (J&K) in 2001. We salute the valor and supreme sacrifice by the Himveer.
Resident of: H No-N6, Pachpeda Distt-Bareilly (UP).

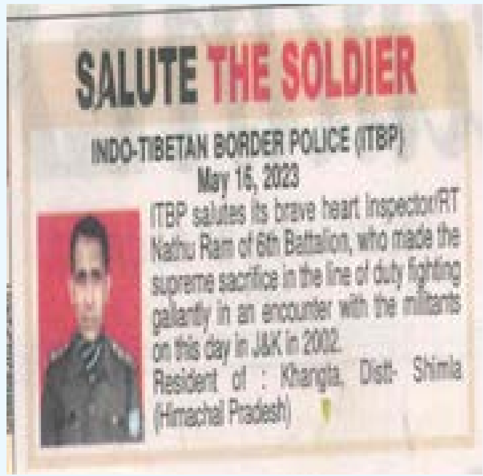

SALUTE THE SOLDIER
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
May 16, 2023
ITBP salutes its brave heart Inspector/RT Nathu Ram of 6th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting gallantly in an encounter with the militants on this day in J&K in 2002.
Resident of : Khangla, Distt- Shimla (Himachal Pradesh)

SALUTE THE SOLDIER
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
Head Constable/GD Devinder Singh
ITBP salutes its brave heart Head Constable/GD Devinder Singh of 31st Battalion who laid down his life in the line of duty on this day in Arunachal Pradesh in 2016.
Resident of :Vill- Gawai,Distt- Shimla (Himachal Pradesh)

ITBP salutes its brave hearts Constable/Driver Garja Ram & Constable/GD Surender Singh of 4th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting gallantly during an encounter with the militants on this day in Baramulla (J&K) in2002.
Constable/Driver Garja Ram Vill-Vijapur Bilaspur (Himachal Pradesh)
Constable/GD Surender Singh Vill- Kandote Doda (J&K)

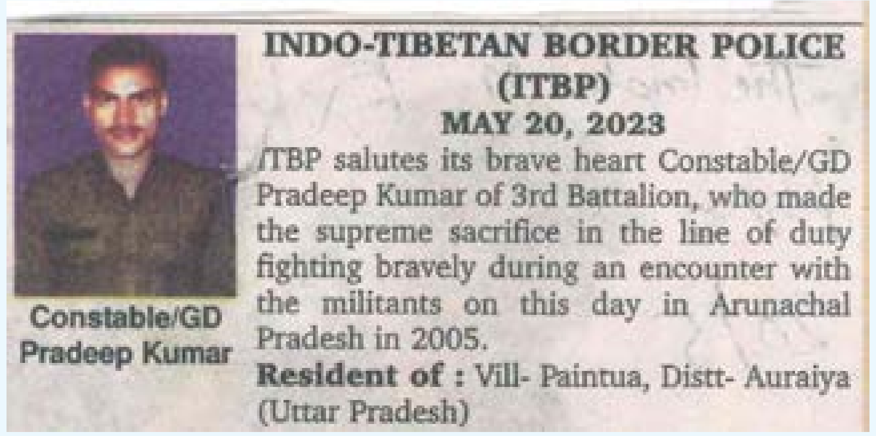

INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
MAY 20, 2023
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Pradeep Kumar of 3rd Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting bravely during an encounter with the militants on this day in Arunachal Pradesh in 2005.
Resident of : Vill- Paintua, Distt- Auraiya (Uttar Pradesh)
Constable/GD Pradeep Kumar

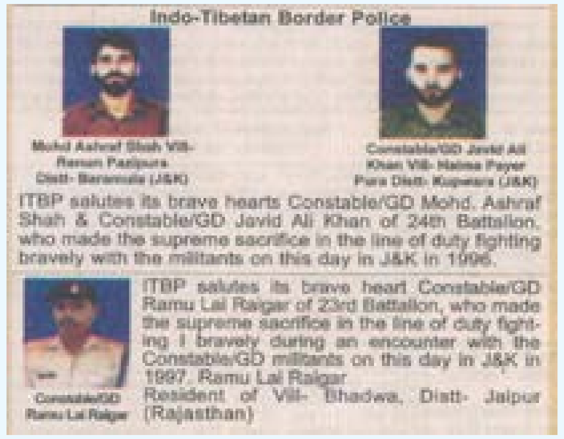

Indo-Tibetan Border Police
Mohd Ashraf Shah Vill- Renun Pazipura Distt- Baramulla (J&K)
Constable/GD Javid Ali Khan Vill- Halma Payer Pura Distt- Kupwara (J&K)
ITBP salutes its brave hearts Constable/GD Mohd. Ashraf Shah & Constable/GD Javid Ali Khan of 24th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting bravely with the militants on this day in J&K in 1996.
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Ramu Lal Raigar of 23rd Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting I bravely during an encounter with the Constable/GD militants on this day in J&K in 1997. Ramu Lal Raigar
Resident of Vill- Bhadwa, Distt- Jaipur (Rajasthan)
Constable/GD Ramu Lal Raigar

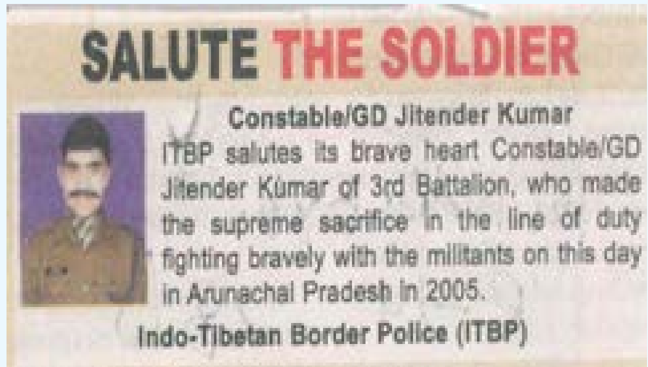

SALUTE THE SOLDIER
Constable/GD Jitender Kumar
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Jitender Kumar of 3rd Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting bravely with the militants on this day in Arunachal Pradesh in 2005.
Indo-Tibetan Border Police (ITBP)

Joy Lal Dy. Commandant/GD Panchkula (Haryana)
Head Constable/GD Khajan Singh Vill- Dongra Jat Mahendergarh (Haryana)
Head Constable/GD Shamsher Singh Hoshiyarpur (Punjab)
Constable/GD Kailash Chand Vill- Gangola Mohalla Almora (UKD)
ITBP salutes its brave hearts Sh. Joy Lal, Dy. Commandant/GD, Head Constable/GD Khajan Singh, Head Constable/GD Shamsher Singh & Constable/GD Kailash Chand of 4th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty on this day in J&K in 1999.
Indo-Tibetan Border Police

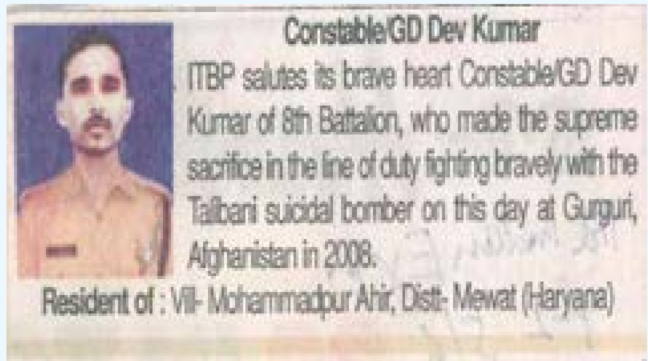

Constable/GD Dev Kumar
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Dev Kumar of 8th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting bravely with the Taliban suicidal bomber on this day at Gurguri, Afghanistan in 2008.
Resident of : Vill- Mohammadpur Ahir, Distt- Mewat (Haryana)

SALUTE THE SOLDIER
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)(May 9, 2023)
LNK/GD Rajender Mohan Bhandari Vill-Shyalna Khurnola, Uttarkashi (Uttarakhand)
Constable/GD Omkar Singh Vill-Jamlaspur, Mainpuri(Uttar Pradesh)
Constable/GD Subhash Singh Vill-Badwa Dehradun (Uttarakhand)
ITBP salutes its brave hearts LNK/GD Rajender Mohan Bhandari, Constable/GD Omkar Singh and Constable/GD Subhash Singh of 11th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting gallantly in an encounter with the militants on this day in Ludhiana (Punjab) in 1991.

Constable/GD Mukesh Kumar
Vill & Teh- Meham, Distt-Rohtak, (Haryana)
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Mukesh Kumar of 49th Battalion who laid down his life in the line of duty on this day in 2020

Head Constable/GD Ganga Prasad
Vill- Gotha Hasanpur, Teh- Mahavan, Distt- Mathura (Uttar Pradesh)
ITBP salutes its brave heart Head Constable/GD Ganga Prasad of 4th Battalion who laid down his life in the line of duty on this day at Tawang (Arunachal Pradesh) in 2019.

SALUTE THE SOLDIER
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)
25 JUNE, 2023
SI/GD Jayendra Prasad Vill- Sema Distt- Tehri Garhwal Uttarakhand
Constable/GD Jomon P.G. Vill- Pallipuram Distt- Alappuzha Kerala
Constable/GD Nand Ram Vill- Hanskoti Distt- Chamoli Uttarakhand
Constable/GD Bibhuti Roy Vill- Charai Khola Distt- Dhubri Assam
Constable/GD Ajay Lal Vill- Thirpak Distt- Chamoli Uttarakhand
Constable/GD Sarvesh Kumar Vill- Halbatpura Distt-Jhansi Uttar Pradesh
ITBP salutes its brave hearts of 8th Battalion, who laid down their lives in the line of duty on this day during a rescue & relief operation at Kedarnath, Uttarakhand in 2013.

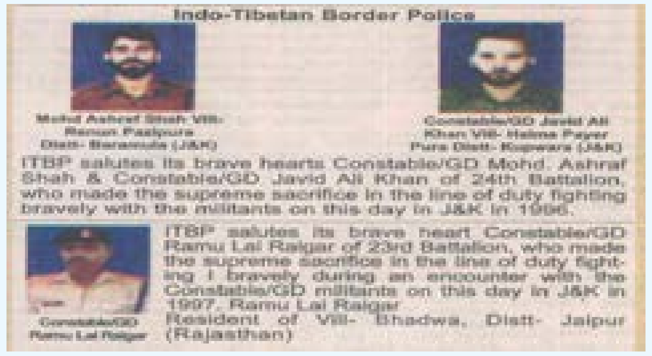

Indo-Tibetan Border Police
Mohd Ashraf Shah Vill- Renun Pazipura Distt- Baramulla (J&K)
Constable/GD Javid Ali Khan Vill- Halma Payer Pura Distt- Kupwara (J&K)
ITBP salutes its brave hearts Constable/GD Mohd. Ashraf Shah & Constable/GD Javid Ali Khan of 24th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting bravely with the militants on this day in J&K in 1996.
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Ramu Lal Raigar of 23rd Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty fighting I bravely during an encounter with the Constable/GD militants on this day in J&K in 1997. Ramu Lal Raigar
Resident of Vill- Bhadwa, Distt- Jaipur (Rajasthan)
Constable/GD Ramu Lal Raigar

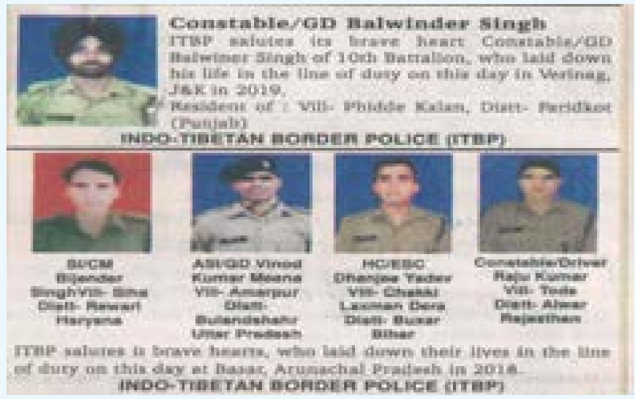

Constable/GD Balwinder Singh
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Balwinder Singh of 10th Battalion, who laid down his life in the line of duty on this day in Verinag, J&K in 2019.
Resident of : Vill- Phidde Kalan, Distt- Faridkot (Punjab)
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)

SI/CM Bijender Singh/Vill- Siha Distt- Rewari Haryana
ASI/GD Vinod Kumar Meena Vill- Amarpur Distt- Bulandshahr Uttar Pradesh
HC/ESC Dhanjee Yadav Vill- Chakki Laxman Dera Distt- Buxar Bihar
Constable/Driver Raju Kumar Vill- Toda Distt- Alwar Rajasthan
ITBP salutes it brave hearts, who laid down their lives in the line of duty on this day at Basar, Arunachal Pradesh in 2018.
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)

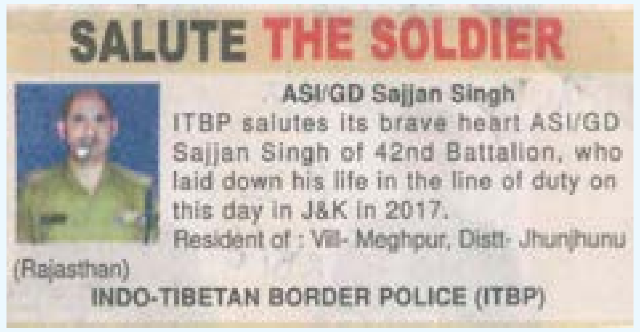

SALUTE THE SOLDIER
ASI/GD Sajjan Singh
ITBP salutes its brave heart ASI/GD Sajjan Singh of 42nd Battalion, who laid down his life in the line of duty on this day in J&K in 2017.
Resident of : Vill- Meghpur, Distt- Jhunjhunu (Rajasthan)
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)

SALUTE THE SOLDIER
Constable/GD Anil Rana
ITBP salutes its brave heart Constable/GD Anil Rana of 49th Battalion, who laid down his life in the line of duty on this day at Basar, Arunachal Pradesh in 2018.
Resident of : Vill- Digthol Dhanari, Distt- Uttarkashi (Uttarakhand)
INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP)

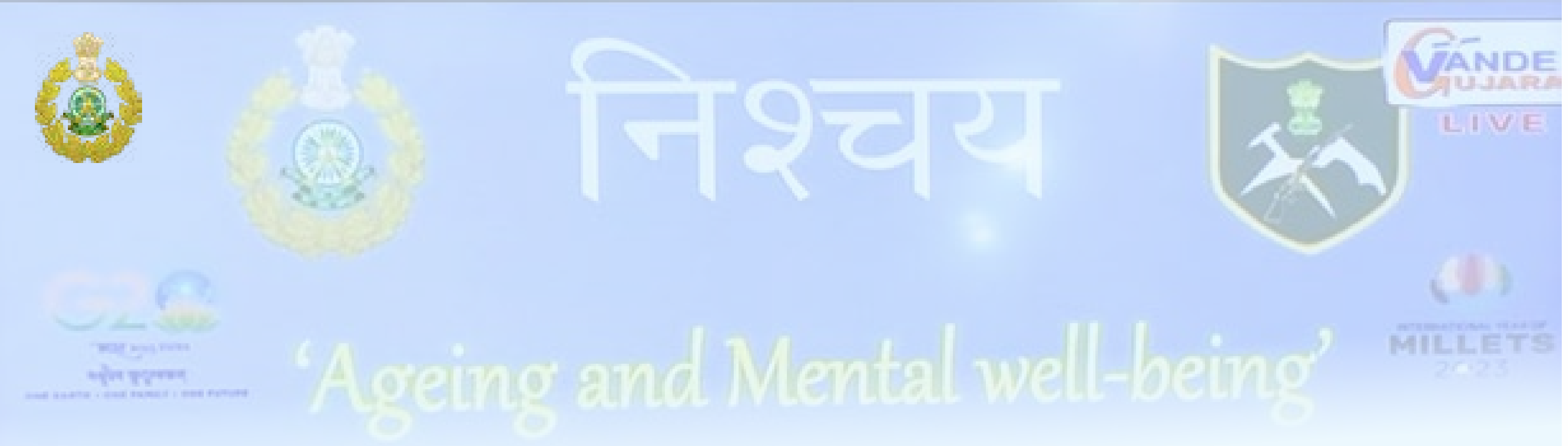

‘निश्चय’ एक पहल...

महानिदेशालय, आईटीबीपी की शिक्षा व तनाव परामर्श शाखा द्वारा मासिक आधार पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रम ‘निश्चय’ एक पहल के 12वें संस्करण विषय ‘बुढ़ापा और मानसिक स्वास्थ्य’ का प्रसारण 19 मई, 2023 को किया गया, जिसमें डॉ. स्वाति केडिया गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एम्स, नई दिल्ली बतौर अतिथि वक्ता शामिल हुईं और उन्होंने बल के जवानों को उम्र बढ़ने के साथ मानसिक रूप से आने वाली चुनौतियों से किस प्रकार निपटा जाए और स्वयं को मानसिक तनाव से कैसे दूर रखें, के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर शिकायत व कल्याण प्रकोष्ठ के वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षा व तनाव परामर्श शाखा, महा. निदेशालय के अधिकारी व पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि यह ऑनलाइन कार्यक्रम मासिक आधार पर बल के दूर-दराज क्षेत्रों में अपने परिवारों से अलग तैनात जवानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और उनके जीवन में पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आयोजित किया जाता है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित कर जवानों को लाभप्रद जानकारी मुहैया करवाई जाती है और जवानों के सवालों के जवाब भी प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान शामिल किए जाते हैं। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वंदे गुजरात चैनल-4 और आईटीबीपी के यू-ट्यूब और फेसबुक चैनलों के माध्यम से देशभर में फैली बल की सभी फॉर्मेशनों, सीमा चौकियों, सी.ओ.बी. आदि में किया जाता है।

स्वच्छ भारत अभियान...

आईटीबीपी ने भारत सरकार के प्रमुख मिशन ‘स्वच्छ भारत अभियान’ के अंतर्गत देश के विभिन्न भागों में तैनात बल की इकाइयों द्वारा अपने कैंप परिसरों और उनके आस-पास के इलाकों में साफ-सफाई कर स्थानीय आबादी को स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित किया और स्वच्छ भारत अभियान के संदेश को प्रसारित किया।

सिविक एक्शन प्रोग्राम

भारत सरकार द्वारा देश के सीमावर्ती गांवों के विकास एवं वहां निवास करने वाली आबादी के कल्याण और उनकी मूल जरूरतों को पूरा करने के लिए 'सिविक एक्शन प्रोग्राम' चलाया जा रहा है। इस प्रोग्राम के तहत देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात बल की वाहिनियों द्वारा समय-समय पर अनेकों मुफ्त शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिनमें स्थानीय ग्रामवासियों के लिए मेडिकल कैम्प, वैटनरी कैम्प, स्कूली बच्चों को लेखन व खेलकूद सामग्री वितरण कैम्प, दैनिक उपयोग वाली वस्तुएं वितरण कैंप आदि लगाए जाते हैं। इसी क्रम में बल की सीमांत इकाइयों द्वारा कई शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें स्थानीय निवासियों को दवाइयां, बर्तन, कंबल, लेखन व खेलकूद सामग्री, सौर ऊर्जा पैनल, पानी की टंकी आदि वितरित की गईं।

प्रथम वाहनी, जोशीमठ (उत्तराखण्ड)

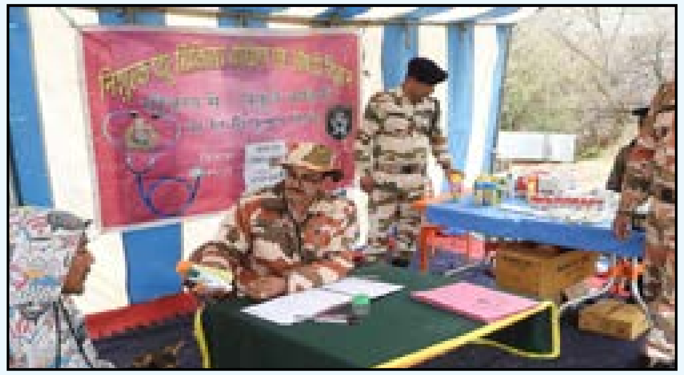

चतुर्थ वाहिनी, धिरांग (अरुणाचल प्रदेश)

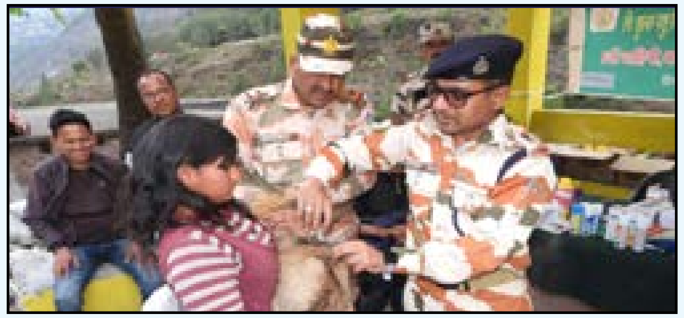

8वीं वाहनी, गोचर (उत्तराखण्ड)

11वीं वाहनी, पेंगोंग (सिक्किम)

13वीं वाहिनी, लिंगडम (सिक्किम)

17वीं वाहिनी, रिकांग पियो (हिमाचल प्रदेश)

20वीं वाहिनी, आलो (अरुणाचल प्रदेश)

25वीं वाहिनी, तेजू (अरुणाचल प्रदेश)

29वीं वाहिनी, जबलपुर (मध्य प्रदेश)

31वीं वाहिनी, युपिया (अरुणाचल प्रदेश)

44वीं वाहिनी, बेलगाव (कर्नाटक)

49वीं वाहिनी, बसर (अरुणाचल प्रदेश)

53वीं वाहिनी, नारायणपुर (छत्तीसगढ़)

54वीं वाहिनी, भालुकपोंग (अरुणाचल प्रदेश)

थीम 'यूनिटी' के अंतर्गत भारत दर्शन कार्यक्रम

आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत थीम 'यूनिटी' के तत्वावधान में बल की सीमावर्ती इकाइयों द्वारा सीमांत इलाकों में रहने वाली आबादी और स्कूली बच्चों के लिए ''भारत दर्शन भ्रमण'' का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत वे भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर और इतिहास के बारे में जानते हैं और देश के गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा करते हैं। ऐसे कई भ्रमण कार्यक्रम बल की वाहिनियों द्वारा आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, थीम 'यूनिटी' के तहत बल की इकाइयों व प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा अपने आस-पास रहने वाले नागरिकों व बच्चों को आत्मरक्षा हेतु जूड़ो व कराटे आदि के गुर सिखाए गए और उनको राष्ट्रीया एकता का संदेश दिया गया।

49वीं वाहिनी, बसर (अरुणाचल प्रदेश)

अकादमी, मसूरी (उत्तराखण्ड)

49वीं वाहिनी, बसर (अरुणाचल प्रदेश)

5वीं वाहिनी, लद्दाख

7वीं वाहिनी, मिर्थी (उत्तराखण्ड)

48वीं वाहिनी, कटिहार (बिहार)

आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल के डेलीगेशन का स्टडी टूर

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 जून, 2023 को आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल का एक डेलीगेशन स्टडी टूर के लिए आईटीबीपी महानिदेशालय में आया, जिसमें कुल 13 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे। उल्लेखनीय है कि भारत एवं नेपाल के पारस्परिक सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंध हैं, साथ ही दोनों देशों की आपसी सीमाएं भी साझा हैं, जिसके चलते आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल के युवा अधिकारियों के लिए भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कार्य-प्रणाली को समझने व जानने के उद्देश्य से यह स्टडी टूर आयोजित करवाया गया था। आईटीबीपी महानिदेशालय में आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में महानिरीक्षक (प्रशि.), ने स्वागत संबोधन किया और उसके बाद उन्हें आईटीबीपी पर आधारित स्टेटस् फिल्म दिखाई गई। तत्पश्चात महानिदेशक, आईटीबीपी ने बल की ओर से डेलीगेशन लीडर को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया और अपने क्लोजिंग नोट में आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल के प्रशिक्षु अधिकारियों को विस्तार से आईटीबीपी और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बारे में जानकारी दी और उनके साथ विचार-विनमय किया और साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

5 मई, 2023 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवस पर बल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महानिदेशक, आईटीबीपी ने उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अन्य पदाधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाइ और पौधारोपण कर सभी को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार का पौधारोपण अभियान बल की सभी फॉर्मेशनों/इकाइयों में भी चलाया गया और अपने आस-पास रहने वाली जनता को पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश भी दिया गया। साथ ही बल की लगभग सभी इकाइयों में पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि माननीय केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री, भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए बृहद वृक्षारोपण अभियान की कड़ी में 'पैन इंडिया' कार्यक्रम के तहत सभी सीएपीएफ को साल 2024 तक 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य सौंपा गया है, जिसमें से अभी तक 3.5 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है और शेष 1.5 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य को नियतावधि में प्राप्त कर लिया जाएगा। इस अभियान में आईटीबीपी द्वारा अभी तक 21 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। वर्ष 2023-24 के अंत तक 15 लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य हासिल किया जाना है। उल्लेखनीय है कि इस बार पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु एक विशेष अभियान 'MeriLife' के नाम से चलाया गया है, जिसके आलोक में बल की इकाइयों द्वारा समय-समय पर साफ-सफाई अभियान चलाए गए और पर्यावरणविद् तथा वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञों को आंमत्रित कर पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान दिलवाए गए, जिसमें आम जनता व बच्चों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई।

परिवाहन वाहिनी, चंड़ीगढ़ (पंजाब)

छठवीं वाहिनी, छपरा (बिहार)

27वीं वाहिनी, मानपुर (छत्तीसगढ़)

38वीं वाहिनी, रायपुर (छत्तीसगढ़)

45वीं वाहिनी, मदुरै (छत्तीसगढ़)

बीटीसी, भानू (हरियाणा)

आरटीसी, करेरा (मध्य प्रदेश)

7वीं वाहिनी, मिर्थी (उत्तराखण्ड)

दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह

बल के प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र बीटीसी, भानु, आईटीबीपी अकादमी, सीटीसी, अलवर, आरटीसी (शिवगंगई, किमिन, करेरा) आदि में आधार प्रशिक्षण पूरा कर चुके विभिन्न संवर्गों के अधिकारियों एवं अराजपत्रित पदाधिकारियों के लिए समय-समय पर दीक्षांत व शपथ ग्रहण परेड़ समारोह आयोजित किए गए, जिनमें बल मुख्यालय एवं संस्थान विशेष के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा परेड़ की सलामी ली गई और बल की युवा शक्ति को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई और प्रशिक्षणों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन अवसरों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर पास-आउट होने वाले पदाधिकारियों के परिवारजन भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि अपना बुनयादी प्रशिक्षण पूरा कर ये पदाधिकारी बल की मुख्य धारा में शामिल हुए और इनकी तैनाती बल की विभिन्न फॉर्मेशनों/इकाइयों में की गई, जहां पर ये बल व देश की सेवा में अपना योगदान देंगे।

बल की फॉर्मेशनों/इकाइयों ने मनाया अपना-अपना स्थापना दिवस...

आईटीबीपी की विभिन्न फॉर्मेशनों/इकाइयों/वाहिनियों द्वारा निश्चित तारीखों को अपना स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। उक्त अवसर पर सेरेमोनियल परेड का आयोजन किया गया, जिसकी सलामी संबंधित कार्यालयाध्यक्षों और उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी द्वारा ली गई। इन अवसरों पर संबंधित फॉर्मेशनों में रहने वाले परिवारों व बच्चों को भी शामिल किया गया, जिनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, बड़ा खाना व खेलकूद आदि प्रतियोगिताओं का आया.`जन भी करवाया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कई फॉर्मेशनों में बल के सेवानिवृत्त पदाधिकारियों को भी स्थापना दिवस समारोहों में आमंत्रित किया गया।

54वीं वाहिनी, भालुकपोंग (अरुणाचल प्रदेश)

उत्तर पश्चिम सीमांत (लद्दाख)

क्षेत्रीय मुख्यालय (श्रीनगर)

37वीं वाहिनी (लेह लद्दाख)

एसडब्लटीएस, करेरा (मख्य प्रदेश)

19वीं, सराहन (हिमाचल प्रदेश)

21वीं वाहिनी, पंथा चौक (जम्मू व कश्मीर)

20वीं वाहिनी, आलो (अरुणाचल प्रदेश)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस...

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 27 मई से 21 जून, 2023 तक 'हर आंगन योग' कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया। इस अवधि के दौरान सभी से हर दिन योग करने और कार्यालयों में योगा ब्रेक देने का आह्वान किया गया, जिससे सभी मानसिक व शारीरिक तौर पर फिट महसूस कर सकें। उपरोक्त कार्यक्रम के तत्वावधान में आईटीबीपी की विभिन्न फॉर्मेशनों/इकाइयों द्वारा योग सत्र आयोजित करवाए गए, जिसके तहत उच्च तुंगता पर स्थित बल की अग्रिम चौकियों और बल की इकाइयों के आस-पास प्रसिद्ध तटों व स्थलों पर योगाभ्यास कर आम जनता को जीवन में योग अपनाकर स्वयं को फिट रखने हेतु प्रेरित किया गया। 25 दिनों तक चले इस अभियान में बल के हिमवीरों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और बर्फानी इलाकों व 16000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर योगाभ्यास किया गया। 21 जून, 2023 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हिमवीरों द्वारा भारी संख्या में योग कर देश की जनता को नित जीवन में योग को अपनाने का संदेश दिया गया। 'हर आंगन योग' कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार बल के सोशल मीडिया हैंडल्स और अन्य मीडिया माध्यमों से किया गया, ताकि इसकी उपयोगिता बढ़ सके।

आईटीबीपी की विभिन्न फॉर्मेशनों द्वारा मिशन 'हर आंगन योग' के अंतर्गत लद्दाख के काराकोरम से अरुणाचल प्रदेश के जाचेप ला तक 127 वाइब्रेंट विलेजों में योगाभ्यास सत्रों का आयोजन किया गया और वहां की स्थानीय आबादी एवं स्कूली बच्चों को इन योगाभ्यासों में शामिल करते हुए उनको अपनी दिनचर्या में योग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रथम वाहिनी, जोशीमठ (उत्तराखण्ड)

15वीं वाहिनी, उधमपुर (जम्मु व कश्मीर)

41वीं वाहिनी, कोंडागांव (छत्तीसगढ़)

चतुर्थ वाहिनी, धीरांग (अरुणाचल प्रदेश)

25वीं वाहिनी, तेजू (अरुणाचल प्रदेश)

7वीं वाहिनी, मिर्थी (उत्तराखण्ड)

44वीं वाहिनी, मानपुर (छत्तीसगढ़)

आधार चिकित्सालय (दिल्ली)

36वीं वाहिनी, लोहाघाट (उत्तराखण्ड)

13वीं वाहिनी, लिंगडम (सिक्किम)

क्षेत्रीय मुख्यालय, देहरादून (उत्तराखण्ड)

क्षेत्रीय मुख्यालय, तेजपुर (सिक्किम)

बल की फॉर्मेशनों में तनाव प्रबंधन कार्यशालाओं का आयोजन

बल की तैनाती दुर्गम व अति कठिन क्षेत्रों में होने के कारण जवानों को अपने परिवारों से लंबे समय तक दूर रहना पड़ता है, जिस कारण से जवानों को आमतौर पर कई प्रकार की मानसिक और शारीरिक चुनौतियों का मुकाबला करना पड़ता है या फिर किसी अन्य पारिवारिक समस्या अथवा बीमारी आदि के चलते कार्मिकों में अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस तरह उत्पन्न होने वाले मानसिक तनाव को दूर करने के लिए बल की विभिन्न वाहिनियों/इकाइयों में तैनात तनाव परामर्शदाताओं द्वारा बल कार्मिकों के लिए तनाव प्रबंधन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें कार्मिकों को अवसाद को दूर रहने और मानसिक तथा शारीरिक रूप से फिट रहने के बारे में जानकारी दी गई।

8वीं वाहिनी, गौचर (उत्तराखण्ड)

24वीं वाहिन, (लदद्राख)

14वीं वाहिनी, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

16वीं वाहिनी (लदद्राख)

प्रशिक्षण व कोर्स...

आईटीबीपी के तदर्थ पर्वतारोहण संस्थान, दोमबांग, सिक्किम में 11वीं वाहिनी ने 'हिमवीर माउंटेन ऑपरेशन कोर्स' का समापन समारोह आयोजित किया। कोर्स में उच्च रैंकिंग प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार आईटीबीपी के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों यथा बीटीसी, एनआईटीएसआरडीआर, पर्वतारोहण व स्की संस्थान, औली, आईटीबीपी अकादमी, सीटीसी अलवर, आरटीसी (करेरा, शिगंगई, किमिन), सीआइजेडब्ल्यू, बेलगांव आदि में बल के पदाधिकारियों के लिए कोर्सों का आयोजन किया गया और इन कोर्सों में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों को शील्ड/ट्रॉफी आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

परिवहन वाहिनी (चंडीगढ़)

आरटीसी, करेरा (मध्य प्रदेश)

एनआईटीएसआरडीआर, रामगढ़ (हरियाणा)

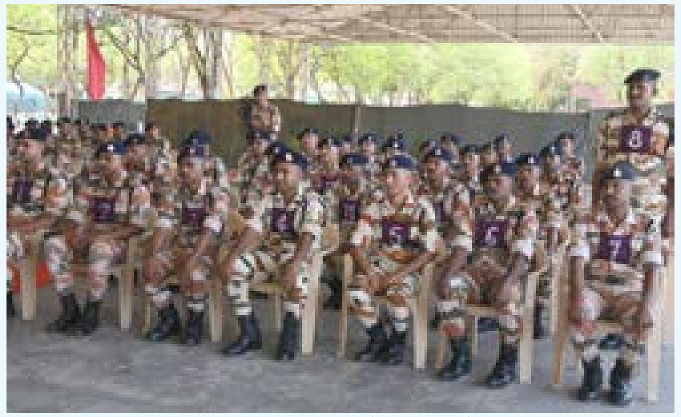
बीटीसी, भानू (हरियाणा)

खेलकूद समाचार...

इस तिमाही में आईटीबीपी की विभिन्न केंद्रीय टीमों द्वारा कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं एवं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट (एआईपीडीएम) में भाग लिया गया तथा पदक जीतकर बल का नाम रोशन किया। भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित 21वीं के.एस.एस.एम. प्रतियोगिता, 2023 में बल की केंद्रीय शूटिंग टीम द्वारा भाग लिया गया, जिसमें 50 मीटर पिस्टल की एक व्यक्तिगत स्पर्धा में आईटीबीपी की सिपाही कविता ढौंडियाल ने स्वर्ण पदक तथा 50 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में सिपाही कविता ढौंडियाल, सिपाही निशू व सिपाही रूचि सिंह ने कांस्य पदक जीतकर बल का नाम बढ़ाया। मास्को, रूस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुशू चैंपियनशिप में आईटीबीपी की केंद्रीय वुशू टीम की खिलाड़ी सिपाही सिमरन ने 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर देश व बल का नाम रोशन किया।

ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित एशिया कप स्टेज 2 तीरंदाजी प्रतियोगिता की रिकर्व टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम गौरवान्वित किया।

इस अवधि में कई अंतर वाहिनी, अंतर क्षेत्रीय, अंतर फ्रंटियर, इंट्रा फ्रंटियर आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें बल की विभिन्न फॉर्मेशनों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और उच्च स्थान प्राप्त कर अपनी वाहिनी/क्षेत्रीय मुख्यालय/फ्रंटियर मुख्यालय आदि का नाम रोशन किया। उक्त प्रतियोगिताओं के समापन समारोह पर श्रेष्ठ खिलाड़ियों को पदक व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य बल में अच्छे खिलाड़ी तैयार करना तथा युवा व नए खिलाड़ियों को आगे आने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल और देश का नाम रोशन कर सकें।

राहत एवं बचाव अभियान

11वीं वाहिनी, पेगोंग (सिक्किम)

आईटीबीपी अपनी तैनाती के इलाकों में तुरंत राहत व बचाव कार्य को अंजाम देने के लिए जानी जाती है। बल की ज्यादातर तैनाती हिमालयी क्षेत्र में होने के कारण आईटीबीपी हिमालयी क्षेत्र में आने वाली किसी भी आपदा के लिए 'फर्स्ट रेंस्पोंडर' के तौर पर काम करती है।

अप्रैल से जून की तिमाही के बीच बल की विभिन्न वा. हिनियों द्वारा कई राहत, तलाशी व बचाव अभियानों को अंजाम दिया गया और कई लोगों की जान बचाई तथा घायलों को प्राथमिक उपचार देकर अग्रिम इलाज के लिए संबंधित जिला अस्पतालों में भेजा।

आईटीबीपी अकादमी, मसूरी (उत्तराखण्ड)

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस का आयोजन

नशा एक ऐसी लत है जो इंसान को शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांग कर देती है। इससे समाज को बहुत नुकसान हो रहा है। समाज में नशीली दवाओं के दुरुप्रयोग व उनकी अवैध तस्करी के बारे में जागरुकता लाने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को 'नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस का विशेष महत्व यह है कि मनुष्य को इन मादक पदार्थों के सेवन के नुकसान के बारे में सचेत किया जाए और जो इस लत के शिकार हो गए हैं, उनको इससे मुक्ति दिलाई जाए। इसी संबंध में पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके दौरान आईटीबीपी की फॉर्मेशनों/इकाइयों द्वारा अपने कार्मिकों और कैंप परिसरों के आस-पास रहने वाली आबादी के लिए जन जागरण अभियान चलाए गए और नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

आईटीबीपी से कोचिंग प्राप्त बच्चों ने उत्तीर्ण की एस.एस.सी. परीक्षा

38वीं वाहिनी, आईटीबीपी, छुरिया, छत्तीसगढ़ द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत स्थानीय स्कूली बच्चों को सरकारी नौकरी की तैयारी करने हेतु मुफ्त में कोचिंग कक्षाओं की सुविधा प्रदान करवाई गई। इन कोचिंग कक्षाओं में अध्ययनरत 23 बच्चों ने एस.एस.सी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने गांव व जिले का नाम रोशन किया है। वामपंथ उग्रवाद प्रभावित इलाकों के युवाओं को देश की मुख्य धारा में जोड़ने की दिशा में यह बल का महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

रक्तदान शिविर...

'आजादी के अमृत महोत्सव' अभियानों की कड़ी में और अन्य मिशनों के क्रम में आईटीबीपी की विभिन्न फॉर्मेशनों/वाहिनियों द्वारा स्वैच्छिक संस्थाओं व अस्पतालों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें बल के कार्मिकों और परिवारजनों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और स्वैच्छा से रक्तदान किया और आम जन को रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया, ताकि उनके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के काम आ सके।

11वीं वाहिनी, पेगोंग (सिक्किम)

54वीं वाहिनी, भालकपोंग (असम)

60वीं वाहिनी, जीरो (अरुणाचल प्रदेश)

11वीं वाहिनी, पेगोंग (सिक्किम)

बीटीसी, भानू (हरियाणा)

सेंट्रल फ्रंटियर (भोपाल)

क्षे.मु. (भुवनेश्वर) द्वारा पेंशन अदालत का आयोजन

सेवानिवृत्त बल कार्मिकों के पेशन से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान और उनकी पेशन संबंधी अन्य परेशानियों को जानने के लिए क्षे.मु. (भुवनेश्वर), आईटीबीपी द्वारा एक पेशन अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिया और भुवनेश्वर के आस-पास निवास करने वाले सेवानिवृत्त बल कार्मिकों की पेंशन संबंधी समस्याओं को सुना गया और उचित समाधान हेतु उच्च मुख्यालयों को प्रेषित किया गया।

‘हावा’ गतिविधियाँ

15वीं वाहिनी, उधमपुर (जम्मू व कश्मीर)

10वीं वाहिनी, मिमिन (अरुणाचल प्रदेश)

20वीं वाहिनी, आलो (अरुणाचल प्रदेश)

47वीं वाहिनी, सांबा (जम्मू व कश्मीर)

29वीं वाहिनी, जबलपुर (मध्य प्रदेश)

17वीं वाहिनी, रिकांगपिओ (हिमाचल प्रदेश)

सेवानिवृत्ति एवं विदाई समारोह

महानिदेशालय, आईटीबीपी में प्रत्येक माह के अंत में सेवानिवृत्ति पर प्रस्थान कर रहे बल कार्मिकों के सम्मान में सैनिक सभा एवं विदाई समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी अनुक्रम में अप्रैल से जून को समाप्त होने वाली तिमाही के दौरान सेवानिवृत्ति व विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें महानिदेशक, आईटीबीपी द्वारा अथवा बल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिह्न आदि भेंट कर उनको सम्मानित किया गया और बल में की गई उनकी सेवाओं को सराहा गया। इस अवसर पर बल के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

संरक्षक

(महानिदेशक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस)

मुख्य संपादक

कुलदीप द्विवेदी

(उप महानिरीक्षक, प्रशासन)

संपादक

विवेक कुमार पाण्डेय, सेनानी (पी.आर.ओ.)

अशोक कुमार, सहायक सेनानी (रा.भा.)

डिजाइन एवं ले-आउट

सिपाही/जी.डी. ए. रामा राव

प्रकाशन व जनसंपर्क सेल

महानिदेशालय, आईटीबीपी, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-03 द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका में प्रकाशित जानकारी आईटीबीपी कर्मियों के लिए उपलब्ध करवाई गई है। संकलित जानकारी को मात्र अभिव्यक्ति माना जाए। इसमें प्रकाशित कार्यालय आदेश, अनुदेश, जानकारी आदि की सटीकता के लिए संबंधितों द्वारा परिचालित आधिकारिक जानकारी ही मान्य होगी।

-संपादक

हिमालय में गस्त लगाते हुए हिमवीर